हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, रविवार 12 जुलाई 2026

14 जन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

14 घर में लगी आग से सामान जलकर राख

सोमवार को बैठक कर अगली रणनीति करेंगे तय

भाखड़ा पाइपलाइन कार्य रोकने पर हांसी का सर्व समाज एकजुट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी शहर को भाखड़ा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइन का गांव चानौत के पास पिछले 57 दिनों से कार्य रुके होने के विरोध में शनिवार को हांसी का सर्व समाज एकजुट हो गया। हिसार चुंगी स्थित एक बैंक्विट हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता में सामाजिक, व्यापारिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि शहर के हितों से जुड़ी इस परियोजना को किसी भी कीमत पर बाधित नहीं होने दिया जाएगा। प्रेस वार्ता का नेतृत्व पूर्व पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि अजय सैनी ने किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तथा दो मंत्रियों के साथ हुई बातचीत के बाद चानौत गांव के लिए अलग से 10 इंच की पेयजल पाइपलाइन और विकास कार्यों की घोषणा की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अमृत-2 योजना के तहत मुख्य पाइपलाइन से टी-कनेक्शन देना संभव नहीं है, इसलिए ग्रामीणों को अलग पाइपलाइन के प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि पाइपलाइन का कार्य करीब दो माह से बंद होने के कारण हांसी के लोगों को उनके हिस्से का भाखड़ा का पानी नहीं मिल पा रहा है। उनका कहना था कि यह परियोजना पूरे शहर के हित से जुड़ी हुई है और इसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

हांसी। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते वार्ड नंबर 4 के पार्षद प्रतिनिधि अजय सैनी व सर्व समाज के प्रबुद्ध नागरिक।

खाप पंचायतों से समाधान निकालने की अपील

सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने खाप पंचायतों से भी इस विवाद में हस्तक्षेप कर समाधान निकालने की अपील की। अनिल चावला ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री से भी मुलाकात करेंगे तथा शहर के हित में आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा प्रायोजित होने के सवाल पर बजरंग बंसल ने कहा कि यह मंच किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि हांसी शहर के हितों के लिए गठित किया गया है।

अन्य वैकल्पिक मार्ग से शुरू कराया जाए कार्य

अजय सैनी ने सरकार से मांग की कि यदि बरवाला मार्ग से परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही है तो खरड़ या किसी अन्य वैकल्पिक मार्ग से पाइपलाइन बिछाने का कार्य तुरंत शुरू कराया जाए, ताकि हांसी को जल्द भाखड़ा का पानी मिल सके। इस मुद्दे पर आगे की रणनीति तय करने के लिए सोमवार को जिला सचिवालय के सामने स्थित माया बैंक्विट हॉल में शहरवासियों की बैठक बुलाई गई है।

यह रहे उपस्थित

प्रेस वार्ता में नगर परिषद के वाइस चेयरमैन अनिल बंसल, बजरंग बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष तनुज सुराना, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष विनोद सैनी, दिनेश धवन, अनिल चावला, नवीन ठाकुर, अधिवक्ता सुरेंद्र राजपाल, पार्षद बलवान चेची सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चानौत के ग्रामीण पहुंचे समर्थन के लिए पेटवाड़

नारनौंद। पिछले करीब दो महीनों से पीने के पानी के लिए चल रहे आंदोलन में चानौत के ग्रामीण समर्थन जुटाने के गांव पेटवाड़ पहुंचे और पानी की लड़ाई के लिए सहयोग की अपील की। ग्रामीणों ने आश्वासन दिया कि वे हर तरीके से चानौत गांव का साथ देंगे। दोनों गांवों का भाईचारा भी है। पूरी मजबूती से उनकी लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। ग्रामीण मास्टर सतबीर सिंह, सरपंच सतबीर पेटवाड़, रामकेश, दीपक फौजी, सूर्यदेव ने बताया कि चैनत गांव का भाईचारा गांव में सहयोग मांगने के लिए आया है। पूरा गांव इक्कठा किया गया हैं। सभी से सलाह ली गई उसके बाद पूरे गांव ने चैनत गांव में पानी के लिए आंदोलन में उनका साथ देने का ऐलान किया है।

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़का बजरंग दल

- चानौत धरने के वायरल वीडियो पर विवाद
- बजरंग दल ने एसपी के नाम डीएसपी को सौंपी शिकायत

हांसी। गांव चानौत में पिछले 57 दिनों से चल रहे पानी की मांग को लेकर धरने के बीच अब एक नया विवाद सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति मंच से हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक परंपराओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करता दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद बजरंग दल ने कड़ा विरोध जताते हुए शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक के नाम डीएसपी रविन्द्र सांगवान को शिकायत सौंप मामले की जांच की मांग की है। वायरल वीडियो में वक्ता धरने पर बैठी महिलाओं को संबोधित करते हुए कथित रूप से कहता है कि लोगों का सब कुछ धोक-पूजा में चला गया है। वह हनुमान, भगवान शिव, गोगामेड़ी सहित विभिन्न देवी-देवताओं का उल्लेख करते हुए तंज कसता दिखाई देता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो किस दिन का है। वीडियो में धरना समिति के कुछ सदस्य भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वक्ता धार्मिक मान्यताओं पर सवाल उठाते हुए चौदस, पूर्णिमा, अमावस्या, गोगामेड़ी, खाटू श्याम, काली माता, नवरात्र और हनुमान सहित विभिन्न आस्थाओं को 'पाखंड' बताता है। साथ ही लोगों से इन धार्मिक परंपराओं को छोड़कर अपने संगठन से जुड़ने की अपील करता है।

बजरंग दल ने जताई नाराजगी

इस मामले पर बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण गुर्जर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें यह वीडियो संगठन के एक सदस्य के माध्यम से प्राप्त हुआ है। उनका आरोप है कि वीडियो में हिंदू देवी-देवताओं का अपमान कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है। वहीं शिकायत मिलने पर पुलिस ने वायरल वीडियो की सत्यता और उसके रिकॉर्ड होने के समय की स्वतंत्र रूप से पुष्टि के लिए जांच शुरू कर दी है।

जींद में प्रधानमंत्री मोदी की रैली करेगी विकास के नए युग की शुरुआत : कैप्टन अभिमन्यु

नारनौंद। कैप्टन अभिमन्यु को हाथ उठाकर रैली में पहुंचने का भरोसा देते कार्यकर्ता।

- नारनौंद से हजारों कार्यकर्ता पैदल पहुंचेंगे रैली स्थल, तैयारियां तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा है कि 17 जुलाई को जींद में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा हरियाणा के विकास के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि इस अवसर पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही जींद राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि नारनौंद हलके से हजारों कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए रैली स्थल तक पहुंचेंगे। कैप्टन अभिमन्यु शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि 17 जुलाई का दिन हरियाणा के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने कहा कि जब भी देश में हाइड्रोजन ट्रेन का उल्लेख होगा, जींद का नाम गर्व के साथ लिया जाएगा। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से विशेष लगाव रहा है और उन्होंने कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय योजनाओं की शुरुआत इसी प्रदेश से की है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत भी हरियाणा से हुई थी और आज यह पूरे देश में सफल अभियान के रूप में लागू है।

नारनौंद। मंच पर कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते कैप्टन अभिमन्यु।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है और देश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेल द्वारा हाइड्रोजन तकनीक आधारित ट्रेन की शुरुआत भविष्य की पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री प्रदेश को विकास की कई नई सौगातें भी देंगे, जिससे हरियाणा की प्रगति को और गति मिलेगी।

कैप्टन अभिमन्यु ने बताया कि रैली को पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहनों, साइकिल, बैलगाड़ी अथवा पैदल रैली स्थल तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि गांव-गांव जाकर लोगों को रैली का निमंत्रण दिया जा रहा है और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि उनके मार्गदर्शन में मार्केट कमेटी चेयरमैन शमशेर मोर के नेतृत्व में नारनौंद हलके से हजारों कार्यकर्ता एक स्थान पर एकत्र होकर सुबह पैदल रैली के लिए रवाना होंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, युवा नेता अजय सिंधु, जिला महामंत्री बिजेंद्र लोहान, मार्केट कमेटी चेयरमैन शमशेर मोर, उदय सिंह लोहान, नगरपालिका चेयरमैन शमशेर कूकन, जिला महिला अध्यक्ष नीलम जांगड़ा, पार्षद संजय खरब सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाखड़ा का पानी यमुना कमांड क्षेत्र में मोड़ना हरियाणा के हितों के साथ खिलवाड़

- किसानों व ग्रामीणों के जल अधिकारों की अनदेखी की गई तो इनेलो करेगी विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं के पूर्व वित्त मंत्री प्रो. संपत सिंह ने आरोप लगाया है कि प्रदेश सरकार लगातार भाखड़ा कमांड क्षेत्र का पानी यमुना कमांड एरिया की ओर मोड़ रही है, जिससे भाखड़ा कमांड क्षेत्र के किसानों के हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यही स्थिति बनी रही तो भाखड़ा कमांड क्षेत्र के कई इलाकों में सिंचाई और पेयजल का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा।

प्रो. संपत सिंह ने कहा कि पहले धमतान डिस्ट्रीब्यूटरी और सिवानी फीडर को यमुना का पानी मिलता था, लेकिन अब दोनों को भाखड़ा प्रणाली से जोड़ दिया गया है। इसके अलावा बरसोला, सिंसर, गुथली माइनर, धर्मगढ़ माइनर तथा धरोधी डिस्ट्रीब्यूटरी को भी भाखड़ा का पानी दिया जा रहा है। उनके अनुसार इन बदलावों से करीब 500 क्यूसेक पानी भाखड़ा कमांड क्षेत्र से कम हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विभिन्न स्थानों पर भाखड़ा प्रणाली में 'पंचरिंग' कर यमुना कमांड क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति कर रही है। उन्होंने हांसी को भाखड़ा से पेयजल देने के प्रयास पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि हांसी पेटवाड़ डिस्ट्रीब्यूटरी के कमांड क्षेत्र में आता है, जहां यमुना का पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यदि पानी की कमी है तो जलघरों की क्षमता बढ़ाकर समस्या का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों और ग्रामीणों के जल अधिकारों की लगातार अनदेखी की गई तो इनेलो तथा क्षेत्र के किसान इसका कड़ा विरोध करेंगे।

सूरेवाला चौक से मंडी तक कई स्थानों पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें

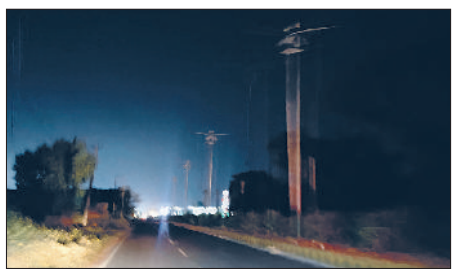

उकलाना। सूरेवाला चौक से उकलाना मंडी तक लगी स्ट्रीट लाइटें पिछले कई दिनों से अनेक स्थानों पर बंद पड़ी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय अंधेरा रहने के कारण पैदल यात्रियों, साइकिल सवारों तथा अन्य राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए, ताकि जनहित में लाखों रुपये की लागत से स्थापित की गई इस व्यवस्था का लोगों को पूरा लाभ मिल सके और रात के समय आवागमन सुरक्षित हो सके। इस संबंध में जब नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता नवदीप नैन से बात की गई तो उन्होंने बताया कि स्ट्रीट लाइट लाइन का कंडक्टर खराब हो गया है। इसकी जानकारी विभाग को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों के भीतर मरम्मत का कार्य पूरा कर स्ट्रीट लाइटों को सुचारु रूप से चालू कर दिया जाएगा।

नर्सिंग ब्लॉक व गर्ल्स हॉस्टल भवन का करेंगे शिलान्यास

सीएम आज गुजवि में, माता अमृता देवी सर्कल का करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। समितियों के संयोजकों के साथ बैठक करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 12 जुलाई को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय आएंगे। मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय में निर्मित माता अमृता देवी सर्कल एवं खेजड़ली महाबलिदान स्मृति शिल्प का लोकार्पण करेंगे तथा नर्सिंग ब्लॉक व गर्ल्स हॉस्टल भवन का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संरक्षक बिश्नोई समाज एवं पूर्व सांसद चौधरी कुलदीप सिंह बिश्नोई स्रोत वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा समारोह की अध्यक्षता करेंगे। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त हिसार की विधायक सावित्री जिंदल, नलवा के विधायक रणधीर सिंह पनिहार, मेयर प्रवीन पोपली, बिश्नोई समाज के स्वामी डा. सचिदानंद आचार्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि तथा बिश्नोई समाज के गणमान्य व्यक्ति भी भाग लेंगे।

दो विशिष्ट विभूतियां होंगीं सम्मानित

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि मुख्यमंत्री गुरु जंभेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान परिसर में 363 बिश्नोई वीरों की स्मृति में पौधारोपण करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दो विशिष्ट विभूतियों को मधु भासिन मेमोरियल पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा।

कुलपति ने समितियों की बैठक ली

इसके साथ ही खेजड़ली महाबलिदान की गौरवगाथा को प्रदर्शित करने वाले अशोक राही द्वारा निर्देशित नाटक खेजड़ी की बेटी का मंचन भी किया जाएगा। इस आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने समितियों के संयोजकों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीएम के दौरे के दृष्टिगत धारा-163 लागू

जिलाधीश महेंद्र पाल ने 11 जुलाई को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहित जिले में अन्य प्रस्तावित दौरे के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल पर कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 में वर्णित प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कार्यक्रम स्थल को ड्रोन नियम 2025 के तहत रेड जोन घोषित करते हुए निषेधाज्ञा के आदेश पारित किए गए हैं।

हरिभूमि एवं जनता TV
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हरियाणवी म्यूज़िक अवार्ड 2026
हरियाणवी संगीत का गौरव
हरियाणवी संस्कृति, हमारी पहचान
1 अगस्त 2026 शनिवार
जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, मुरथल रोड, सोनीपत (हरियाणा)
नॉमिनेशन का आज अंतिम दिन
Category
- Haryanvi Rapper of the Year (Male & Female)
- Haryanvi Ragni Singer of the Year (Ghada-Bhenjo) (Male & Female)
- Haryanvi Ragni Singer of the Year (Pakka Saaz) (Male & Female)
- Haryanvi Desi Pop Singer of the Year (Male & Female)
- Haryanvi Devotional Singer of the Year (Male & Female)
- Haryanvi Lyricist of the Year
- Haryanvi Music Composer of the Year
- Haryanvi Master/Mixer of the Year
- Haryanvi Most Melodious Song of the Year

Only for songs released from 1 January 2025 to 31 December 2025
नॉमिनेशन के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें
or visit our website at : www.haribhoomi.com
Last Date : 12 July 2026
नॉमिनेशन के लिए पात्रता
- केवल हरियाणवी बोली में जारी किए गए गीत ही नामांकन हेतु मान्य होंगे।
- गीत/संगीत कृति का आधिकारिक रिलीज वर्ष 2025 (1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025) के बीच होना अनिवार्य है।
- नामांकन संबंधित श्रेणियों के अनुसार गायक/गायिका, रैपर, गीतकार, संगीतकार, म्यूजिक मिक्सर एवं अन्य पात्र कलाकारों द्वारा किया जा सकता है।
- अगर आप एक से ज्यादा कैटेगरी के लिए खुद को नॉमिनेट करना चाहते हैं, तो आपको हर कैटेगरी के लिए अलग-अलग नॉमिनेशन फॉर्म भरना होगा।
- नॉमिनेशन फॉर्म केवल नॉमिनी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा ही भरा जा सकता है।
- कृपया सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें। आयोजन समिति आवश्यक होने पर सभी प्रविष्टियों एवं दस्तावेजों का सत्यापन करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। अपूर्ण अथवा गलत जानकारी वाले आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं।
- सभी नॉमिनेशन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
- किसी भी कैटेगिरी में पांच से कम प्रतिभागी/नॉमिनी रहने पर उस कैटेगिरी को रद्द कर दिया जाएगा।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 7404443155 advthbtv@gmail.com

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।
शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

खबर संक्षेप

98.39% मतदाताओं तक पहुंचे गणना प्रपत्र

हिसार। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करने और प्राप्त प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। शनिवार दोपहर तक अभियान के तहत संतोषजनक प्रगति दर्ज की गई है। उपायुक्त ने बताया कि हिसार व हांसी जिले के कुल 13,70,766 मतदाताओं में से 13,48,722 मतदाताओं तक गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं।

मुर्गी फार्म में करंट से यूपी के युवक की मौत

हिसार। जिला के गांव जुगलान स्थित एक मुर्गी फार्म में काम करते समय बिजली का करंट लगने से 19 वर्षीय युवक अमित की मौत हो गई। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के औरैया जिला का रहने वाला अमित करीब तीन महीने पहले ही जुगलान के इस मुर्गी फार्म में मजदूरी के लिए आया था। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे काम के दौरान अचानक वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। पास में काम कर रहे अन्य मजदूर उसे तुरंत नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हकृवि में प्रवेश परीक्षा आज, सभी तैयारियां पूरी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर चार वर्षीय कोर्स, बीएससी आनर्स एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में बायो-केमिस्ट्री, केमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैथेमेटिक्स, माइक्रो-बायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलोजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिसटिक्स व जूलॉजी, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोरमेटिक्स, मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी, बायो नैनोटेक्नोलोजी व इंडस्ट्रीयल बायोटेक्नोलोजी कोर्सिज के लिए 12 जुलाई को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

चोरी की बाइक सहित आरोपित गिरफ्तार

हांसी। एंटी व्हीकल थेफ्ट पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान खरबला निवासी प्रिंस के रूप में हुई है। युवक से बरामद मोटरसाइकिल वर्ष 2021 में गुरुग्राम के सोहना थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। मुख्य सिपाही संदीप ने बताया कि एवीटी स्टाफ की टीम राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर गांव रामपुरा स्थित हनुमान मंदिर के पास वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक पुलिस को रोककर मोटरसाइकिल की जांच की।

सट्टा खाईवाल करते एक काबू, 20 हजार बरामद

हांसी। सीआईए-1 हांसी की टीम ने सार्वजनिक स्थान पर सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कृष्णा कालोनी निवासी नवीन के रूप में हुई है। मुख्य सिपाही मनोज कुमार ने बताया कि सीआईए-1 की टीम को गश्त एवं अपराधों की रोकथाम के दौरान सूचना मिली थी कि कृष्णा कॉलोनी निवासी नवीन एचएसवीपी सेक्टर-5, हांसी में अवैध रूप से सट्टा खाईवाली कर रहा है।

सभी मतदान केंद्रों पर आज लगेंगे विशेष शिविर

हिसार। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 12 जुलाई को हांसी विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम राजेश बीएलओ सुबह 10 से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहकर मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरवाने व जांचने का कार्य करेंगे।

नवनियुक्त सूचना आयुक्त का समारोह में किया अभिनंदन

आरटीआई को बनाया जाएगा और प्रभावी : कर्मवीर सैनी

हांसी। सम्मान समारोह में मंचासीन शहर के गणमान्य तथा हाल में मौजूद समाज के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

सैनी समाज को बड़ी जिम्मेदारियां सौंपे जाने पर सरकार का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

विश्वकर्मा चौक स्थित सुभाष ड्रामाटिक क्लब में शनिवार को सैनी समाज द्वारा भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में हरियाणा के नवनियुक्त सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी, हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के अध्यक्ष गुरनाम सैनी तथा हरियाणा वन विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष रवि सैनी का नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिनिधियों ने सैनी समाज को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि तीनों पदाधिकारी बिना किसी भेदभाव के समाज और प्रदेश के विकास के लिए कार्य करेंगे।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता सूचना के अधिकार (आरटीआई) व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाते हुए आमजन तक इसकी आसान पहुंच सुनिश्चित करना होगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए सूचना आयोग पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगा। उन्होंने प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। किसानों के हित में 24 फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की जा रही है, जबकि सब्जी उत्पादकों को भावांतर भरपाई योजना का लाभ भी दिया जा रहा है।

कांग्रेस पर लगाया भ्रमित करने का आरोप

चानौत गांव में पानी की मांग को लेकर चल रहे धरने को लेकर पूछे गए सवाल पर कर्मवीर सैनी ने कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है और वह लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए लगातार आगे बढ़ रही है। समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व मंत्री अत्तर सैनी, सर्वेश सैनी, सुरेन्द्र सैनी व राधेश्याम सैनी सहित काफी संख्या में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

वानप्रस्थ में विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता संगोष्ठी

जनसंख्या वृद्धि से जल, भोजन, ऊर्जा व स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ा दबाव : श्योकंद

2060 तक देश की जनसंख्या लगभग 1.7 अरब तक पहुंचने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कार्यक्रम में हिस्सा लेते क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर वानप्रस्थ वरिष्ठ नागरिक क्लब द्वारा एक विशेष जागरूकता एवं संवादात्मक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में क्लब के महासचिव डॉ. जेके डांग ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह दिवस केवल जनसंख्या वृद्धि के आंकड़ों को देखने का नहीं, बल्कि जनसंख्या, संसाधनों और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वे अपने अनुभवों से नई पीढ़ी को एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करें। मंच संचालन करते हुए डॉ. पुष्पा खरब ने मुख्य वक्ता डॉ. सुनीता श्योकंद का परिचय कराया।

मुख्य वक्ता डॉ. सुनीता श्योकंद ने आंकड़ों के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि वर्तमान में वैश्विक जनसंख्या 8.2 अरब से अधिक हो चुकी है, जिसके इस शताब्दी के अंत तक लगभग 10.2 अरब पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इस तीव्र वृद्धि के कारण जल, भोजन, ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। डॉ. श्योकंद ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 होने के बावजूद वर्ष 2060 तक देश की जनसंख्या लगभग 1.7 अरब तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, 2050 तक हमारी आबादी का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा 60 वर्ष से अधिक आयु का होगा।

बढ़ती बुजुर्ग आबादी की देखभाल एक बड़ी चुनौती होगी : डॉ. खरब

इससे पूर्व डॉ. पुष्पा खरब ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए बताया कि वर्ष 1804 में विश्व की जनसंख्या महज एक अरब थी। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत आज एक युवा देश जरूर है, लेकिन आने वाले वर्षों में देश के सामने तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी (वृद्धजन) की देखभाल और स्वास्थ्य प्रबंधन की भी एक बड़ी चुनौती होगी। इस मौके पर रोटरी क्लब के सहयोग से बालसमंद की एक मेधावी छात्रा को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक लैपटॉप भी भेंट किया गया।

व्यापारी नेता को जान से मारने की धमकी का आरोप

हिसार। राजगुरु मार्केट ऑर्गेनाइजेशन के प्रधान अक्षय मलिक ने कुछ युवकों पर जान से मारने की धमकी देने, अभद्र भाषा का प्रयोग करने तथा उनकी कार का पीछा करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस को शिकायत भी दी है। शिकायत मिलने के बाद पीएलए पुलिस चौकी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार घटना शहर के लजीज रेस्टोरेंट के बाहर शुक्रवार रात को हुई। अक्षय मलिक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार रात करीब नौ बजे वह अपने मित्र गौतम नारंग व अन्य साथियों के साथ लजीज रेस्टोरेंट के नजदीक एक प्लॉट देखने पहुंचे थे। उनकी गाड़ी पार्किंग में खड़ी थी। इसी दौरान एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो वहां आकर रुकी, जिसमें से चार-पांच युवक बाहर निकले। शिकायत के अनुसार युवकों ने पहले सामान्य बातचीत की, लेकिन कुछ ही देर बाद वे अभद्र व्यवहार करते हुए उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि एक युवक ने उनके सीने पर उंगली रखते हुए गोली मारने की धमकी दी। शिकायत में कहा गया है कि जाते समय युवकों ने कहा कि आज मूड नहीं है, फिर कभी गोली मार देंगे।

साइंस क्विज प्रतियोगिता में गार्गी सदन रहा विजेता, किया पुरस्कृत

■ एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। विजेता सदन के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करतीं स्कूल की प्राचार्या ऋतु सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और सामान्य विज्ञान संबंधी ज्ञान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साइंस क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का संचालन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष गौरव पूनिया ने किया। इस दौरान विद्यालय की प्राचार्या ऋतु सिंह, सीसीए प्रभारी ज्योति तथा रसायन विज्ञान की अध्यापिका नीलिमा भी मौजूद रहीं।

प्रतियोगिता में विभिन्न चरणों के दौरान विद्यार्थियों ने विज्ञान विषय से जुड़े प्रश्नों का आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया। कड़े मुकाबले के बाद गार्गी सदन ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम में राधिका, अंकित, रीवा और प्रेक्षा शामिल रहे। प्रतियोगिता के समापन पर विद्यालय प्रबंधन ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

वृक्ष मानव जीवन का आधार : डॉ. गोदारा

हिसार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अभाविप-एग्रीविजन की ओर से 'एक वृक्ष-एक कार्यकर्ता' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान व अन्य स्थानों पर आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। हौटा अध्यक्ष डॉ. अशोक गोदारा ने इस अवसर पर कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करते, बल्कि मानव जीवन का आधार हैं। प्रत्येक विद्यार्थी यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सकेगा। एग्रीविजन के राष्ट्रीय सह-संयोजक शिवम पांडेय ने इस अवसर पर कहा कि 'एक वृक्ष-एक कार्यकर्ता' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है।

हिसार। पौधरोपण करते एलआईसी के अधिकारी व कर्मचारी।

न्यूज डायरी

14 को डीसी से मिलेगा मंच का प्रतिनिधिमंडल

हांसी। विकलांग अधिकार मंच हरियाणा की हांसी इकाई की आवश्यक बैठक शनिवार को स्थानीय तिकोना पार्क में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंच के पदाधिकारी मनोज ठाकुर ने की। बैठक में क्षेत्र के दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए रणनीति बनाई गई। बैठक में मंच पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए चलाई जा रही कई सुविधाओं का जमीनी स्तर पर पूरा लाभ नहीं मिल रहा है।

नगर परिषद का विशेष सफाई अभियान जारी

हांसी। शहर को स्वच्छ, सुंदर और साफ-सुथरा बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन के मार्गदर्शन में विशेष सफाई अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को वार्ड नंबर 9 और 17 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान राधा स्वामी से भाई जी होटल, भाई जी होटल से जाट धर्मशाला, जाट धर्मशाला से काली देवी चौक तथा काली देवी चौक से नहर तक निर्धारित रूट पर व्यापक स्तर पर सफाई की गई। सफाई कर्मचारियों ने सड़कों, गलियों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों पर जमा कचरे को हटाकर पूरे क्षेत्र को स्वच्छ बनाया।

रोडवेज संघर्ष समिति के मांग पत्र पर कार्यवाही शुरू

हिसार। हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो सांझा संघर्ष समिति ने दावा किया है कि हिसार डिपो एवं हांसी सब डिपो के कर्मचारियों की एकता व सहयोग के चलते 58 दिनों तक चले शांतिपूर्ण आंदोलन के बाद कर्मचारियों को बड़ी सफलता मिली है। प्रशासनिक अधिकारियों की सकारात्मक मध्यस्थता से लगभग 37 महीनों से लंबित 15 सूत्रीय मांग-पत्र पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। समिति ने उम्मीद जताई है कि 25 जुलाई तक सभी मांगों का समाधान कर कर्मचारियों को उनका न्यायोचित अधिकार दिलाया जाएगा। समिति पदाधिकारियों ने एसडीएम ज्योति मित्तल, बीडीपीओ तथा ट्रैफिक मैनेजर प्रीतम सिवाच की पहल से कर्मचारी हितों से जुड़े लंबित मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू हुई है। मांग-पत्र में 37 महीनों से लंबित रात्रि भत्ता, मेडिकल बिल, शिक्षा भत्ता, वर्ष 2016 के एसपीएल चालकों के लंबित एलटीसी देय, सभी कर्मचारियों की एलटीसी सहित अन्य कर्मचारी हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। समिति के अनुसार कार्रवाई प्रारंभ होने से हिसार डिपो और हांसी सब डिपो के कर्मचारियों में उत्साह और विश्वास का माहौल है।

कैडेट्स ने किया स्टेम सेल दान के लिए पंजीकरण

हिसार। लुवास विश्वविद्यालय में चल रहे वन हरियाणा आरएंडवी स्क्वाड्रन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैडेटों को सैन्य कौशल के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का पाठ पढ़ाया गया। दिन की शुरुआत पीटी, ड्रिल, शस्त्र प्रशिक्षण और घुड़सवारी सत्रों से हुई। लुवास की एएनओ डॉ. अर्चना लोहिया ने वनों के महत्व पर व्याख्यान दिया। शिविर का मुख्य आकर्षण अर्जनवीर फाउंडेशन की सिमी सिंह द्वारा स्टेम सेल डोनेशन पर दिया गया व्याख्यान रहा, जिससे प्रेरित होकर कैंप कमांडेंट, जेसीओ, पीआई स्टाफ और एनसीसी कैडेटों सहित कुल 62 लोगों ने ब्लड कैंसर मरीजों की जान बचाने के लिए संभावित दाता के रूप में पंजीकरण कराया। इसके अलावा, कैडेटों को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन और प्राथमिक उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

उकलाना। पूर्व डिप्टी सीएम को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते कार्यकर्ता।

मनसा देवी व शीतला माता साइन बोर्ड का हो ऑडिट, सरकार जारी करे श्वेत पत्र : दुष्यंत

उकलाना। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं जेजेपी के वरिष्ठ नेता दुष्यंत चौटाला ने शनिवार को उकलाना में जेजेपी की बीएलए-2 बैठक को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार को माता मनसा देवी एवं गुरुग्राम स्थित शीतला माता साइन बोर्ड का ऑडिट करवाकर इस संबंध में श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। साथ ही पिछले 10 वर्षों में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज मामलों में हुई विभागीय और न्यायिक कार्रवाई का पूरा विवरण भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत प्रत्येक मतदाता का सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं कटना चाहिए, जबकि जिन मतदाताओं का निधन हो चुका है, जो क्षेत्र छोड़ चुके हैं अथवा अन्य स्थान पर स्थानांतरित हो गए हैं, उनका भी नियमानुसार सत्यापन किया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को पूरी गंभीरता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

पैंशनर्स समाज की बैठक में केंद्र सरकार की नीतियों पर रोष जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। पैंशनर्ज समाज की कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थित सदस्य।

हरियाणा स्टेट पैंशनर्ज समाज की कार्यकारिणी की बैठक क्रांतिमान पार्क में जिलाध्यक्ष रोहताश छाछिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आठवें वेतन आयोग को लेकर केन्द्र सरकार के प्रति गहरी नाराजगी प्रकट की गई। कार्यकारिणी के मुख्य संरक्षक राजेन्द्र सिंह नैन एवं अखिल भारतीय फैडरेशन के सचिव भरत सिंह पूनिया ने अपने सम्बोधन में 8वें वेतन आयोग में पैंशनर्ज के साथ उदासीन रवैया अपनाने की कड़ी भर्त्सना की गई। 65, 70 व 75 की आयु उपरांत पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर 5, 10 व 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी करने, चिकित्सा भत्ता बढ़ाने, कम्युटेशन की राशि 15 वर्ष की बजाये 12 वर्ष की जाए, क्योंकि ब्याज दर अब 13 प्रतिशत से घटकर 7 प्रतिशत रह गया है, आदि मांगों पर आज की बैठक में गहरा रोष प्रकट किया गया। इस अवसर पर दिलबाग सिंह खर्ब, किरण दत्त शर्मा, बिजेन्द्र गोयत, रणधीर सिंह दलाल, रामप्रकाश शर्मा, राजवीर सिंह भोला, धर्मबीर सिंह, पुरुषोतम एवं रणधीर सिंह बल्हारा आदि मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

विवि का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध करवाना

गुजवि का ईयूईआईसी के साथ अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एमओयू

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा व शोध के नए अवसर उपलब्ध होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। एमओयू का आदान-प्रदान करते गुजविप्रौवि के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व ईयूईआईसी के संस्थापक एवं चेयरमैन जसमीत सैनी।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए यूरोपियन यूनियन एंगेजमेंट एंड इन्फॉर्मेशन सेंटर (ईयूईआईसी), मोहाली के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय और यूरोप के शैक्षणिक संस्थानों के बीच अकादमिक सहयोग, संस्थागत साझेदारी, छात्र एवं शिक्षक आदान-प्रदान, कौशल विकास, शोध, नवाचार तथा वैश्विक सहभागिता को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, प्रशिक्षण तथा शोध के नए अवसर उपलब्ध होंगे। एमओयू पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई तथा ईयूईआईसी की ओर से संस्थापक एवं चेयरमैन जसमीत सैनी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर ईयूईआईसी के प्रेसिडेंट एवं सीओओ मनोज चैहान, गुजवि के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार, डीन इंटरनेशनल अफेयर्स प्रो. ओम प्रकाश सांगवान, प्रो. योगेश चाबा तथा प्रो. विनोद छोक्कर सहित दोनों संस्थानों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वैश्विक शिक्षा की ओर बढ़ते कदम

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा एवं अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए यूरोप के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग, संयुक्त शोध, कौशल विकास, छात्र एवं शिक्षक आदान-प्रदान तथा अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नए द्वार खोलेगा। ईयूईआईसी के संस्थापक एवं चेयरमैन जसमीत सैनी ने कहा कि ईयूईआईसी भारत और यूरोपीय देशों के बीच शिक्षा, कौशल विकास तथा संस्थागत सहयोग को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

मानसून एवं संभावित बाढ़ से निपटने के लिए डीएचबीवीएन पूरी तरह तैयार : विक्रम सिंह

हिसार। उत्तर एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह के निर्देशानुसार डीएचबीवीएन ने मानसून एवं संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। निगम ने बिजली आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने तथा आपदा की स्थिति में त्वरित बहाली सुनिश्चित करने के लिए सभी फील्ड कार्यालयों एवं स्टोर्स में पर्याप्त मात्रा में पोल, कंडक्टर, ट्रांसफार्मर, इंसुलेटर, केबल एवं अन्य आवश्यक सामग्री का अग्रिम भंडारण किया है। डीएचबीवीएन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सामग्री के त्वरित परिवहन एवं उपलब्धता की भी व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही मानसून से पहले संवेदनशील विद्युत परिसंपत्तियों को मजबूत करने तथा विद्युत उपकेंद्रों एवं प्रतिष्ठानों के आसपास जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सिंचाई एवं ड्रेनेज विभाग द्वारा बाढ़ संबंधी अस्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकता के आधार पर उन्हें जारी किया जाएगा। वर्तमान में हिसार जोन में 270 तथा दिल्ली जोन में 24 बाढ़ कनेक्शनों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से दो कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं तथा शेष सभी कनेक्शन एक सप्ताह के भीतर जारी किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सूचना

मैं, सुशील पुत्र स्व. हरदेवा निवासी राखी खास तहसील खेड़ी जालब, जिला हांसी बयान करता हूं कि मेरी पुत्री बेबी जो कि विवाहित है और मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

नाबालिग से जुड़े मामले में आरोपी गिरफ्तार

हिसार। महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर कार्रवाई करते हुए अग्रोहा पुलिस ने नाबालिग से जुड़े एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में अग्रोहा थाना में दर्ज मामले की जांच के दौरान उप निरीक्षक साहब राम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी किरमारा गांव निवासी सचिन को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ करके उसे अदालत में पेश कर दिया गया।

पुलिस ने 24 बोतल देशी शराब सहित आरोपी पकड़ा

हिसार। शहर थाना पुलिस ने एक युवक को 24 बोतल अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार किया है। सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि चौकी बस स्टैंड की पुलिस टीम गश्त एवं अपराध नियंत्रण ड्यूटी पर थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर न्यू ऋषि नगर स्थित एक सरकारी प्लॉट में एक युवक को प्लास्टिक के कट्टे में अवैध शराब रखकर राहगीरों को बेचने के आरोप में न्यू ऋषि नगर निवासी विनोद को गिरफ्तार किया गया।

994 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

हिसार। सदर थाना पुलिस ने एक आरोपी को 994 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया है। थाना सदर प्रभारी इंस्पेक्टर वीरेंद्र गिल ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक विक्रम अपनी टीम के साथ गश्त एवं अपराध रोकथाम ड्यूटी पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि न्योली कला निवासी कुंदन अपने घर के बाहर अवैध रूप से गांजा बेच रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 994 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

10.3 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी काबू

हांसी। विशेष अभियान के तहत सीआईए-1 हांसी ने कार्रवाई करते हुए 10.3 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सिसाय बोलान निवासी विकास उर्फ बोना के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एएसआई राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं नशा तस्करों की धरपकड़ के दौरान गांव सिसाय क्षेत्र में मौजूद थी।

बहनोई पर फायरिंग करने का आरोपी काबू

हांसी। शहर थाना पुलिस ने आर्य नगर में अपने बहनोई पर की गई फायरिंग मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी कमल चैची को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कमल चैची को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया। रिमांड के दौरान गहन पूछताछ के आधार पर पुलिस ने वारदात में प्रयोग की गई आई-20 कार को राजस्थान के सालासर क्षेत्र से बरामद किया गया। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद आरोपी को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

हजारों रुपये की नकदी व सामान की चोरी करके फरार, घटनाएं सीसीटीवी कैमरे में कैद

हांसी मार्ग पर अज्ञात चोरों ने एक साथ चार प्रतिष्ठानों में लगाई सेंध

बरवाला में बेखौफ हुए चोर

- चारों चोरियों को नकाबपोश दो युवकों ने दिया अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बीती रात्रि हांसी मार्ग पर स्थित चार व्यापारिक प्रतिष्ठानों में अज्ञात चोर सेंध लगाकर हजारों रुपये की नकदी व कीमती सामान की चोरी करके फरार हो गए। चोरी की यह घटनाएं सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार चोरी की इन चारों घटनाओं को नकाबपोश दो युवकों ने अंजाम दिया है। पुलिस ने सूचना पाते ही मौके पर पहुंचकर इन चारों घटनाओं के घटनास्थलों का निरीक्षण करके कार्रवाई आरंभ कर दी।

डॉ नरेश पुनिया आयुर्वेदिक अस्पताल के डायरेक्टर गांव ज्ञानपुरा निवासी डा. नरेश पूनिया ने बताया कि चोर बाहर लगे छज्जे से ऊपर चढ़कर शीशा तोड़कर उसके अस्पताल के अंदर घुसे और अस्पताल के गल्ले की दराज में से लगभग 22 हजार रुपये की नकदी, चांदी की एक चेन, ब्रेसलेट, घड़ी चांदी का एक सिक्का, टॉर्च व अन्य सामान की चोरी करके ले गए। इस अस्पताल में हुई चोरी के सामान की कीमत लगभग 50 हजार रुपये आंकी गई है। इन चोरों ने दूसरी चोरी कानूनी सलाह केंद्र के गेट का शीशा तोड़कर व दरवाजे की कुंडी निकालकर की।

केंद्र के संचालक वार्ड न. 2 निवासी सत्यनारायण ने बताया कि चोर उसके केंद्र से हजारों रुपए की कीमत का लैपटॉप और दराज में रखी आठ सौ रूपये की नकदी की चोरी करके फरार हो गए।

चोरों द्वारा चोरी की तीसरी घटना को जय बालाजी फार्मा हाउस पर अंजाम दिया गया।

जय बालाजी फार्मा हाउस के मालिक राधेश्याम ने बताया कि चोर उसकी दुकान से 8 हजार रुपये की नकदी व अन्य सामान की चोरी करके फरार हो गए। इसके अलावा इन चोरों ने चोरी की चौथी घटना को गर्ग प्लाइवुड स्टोर पर अंजाम दिया।

स्टोर के मालिक पुरानी अनाज मंडी निवासी सुशील कुमार ने बताया कि गर्ग प्लाइवुड स्टोर में भी चोर शीशा तोड़कर सीढ़ियों के रास्ते से दुकान के अंदर घुसे और गल्ले में रखी 3 हजार रुपये की नकदी की चोरी करके फरार हो गए।

बरवाला। चोरी के बारे में जानकारी देते पीड़ित फोटो : हरिभूमि

चोरी की बाइक सहित आरोपी गिरफ्तार

हिसार। पुरानी सब्जी मंडी चौकी पुलिस ने बाइक चोरी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई बाइक बरामद कर ली है। एएसआई ने बताया कि डाबड़ा गांव निवासी दीपक ने शिकायत दी थी कि उसने अपनी बाइक रेड स्कवेयर मार्केट स्थित कार्यालय के बाहर खड़ी की थी। शाम को लौटने पर मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच करते हुए बालसमंद निवासी मोहित को चोरी के आरोप में काबू करके मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई।

बाइक चोरी मामले में दूसरा आरोपी भी काबू

हिसार। पुरानी सब्जी मंडी चौकी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। सहायक उप निरीक्षक मदन लाल ने बताया कि इस संबंध में 23 जून को उदयपुरिया मोहल्ला निवासी बृजेश कंसल की शिकायत पर मिलगेट थाना में मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी अपाचे मोटरसाइकिल घर के बाहर से कोई चोरी कर ले गया। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच करते हुए पहले इस मामले में एक आरोपी मोनू उर्फ सोमनाथ को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी की गई अपाचे मोटरसाइकिल बरामद कर ली थी। इसी मामले में पुलिस ने उसके साथी गंगवा में रह रहे डिंग निवासी रवि स्वामी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

प्रॉपर्टी दिलाने का झांसा देकर लाखों की ठगी

हिसार। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने प्रॉपर्टी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आर्थिक अपराध शाखा प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में दर्ज शिकायत के अनुसार आरोपी ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर शिकायतकर्ता को प्रॉपर्टी दिलाने का झांसा दिया और इस एवज में उससे लाखों रुपये ले लिए। रकम लेने के बावजूद न तो प्रॉपर्टी उपलब्ध कराई गई और न ही शिकायतकर्ता के पैसे वापस किए गए। मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा में तैनात उप निरीक्षक बीर सिंह ने की। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शहर की आंचल विहार निवासी अजय को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पर हिसार पुलिस का कड़ा रुख

- वीओसी ऐप से डिजिटल निगरानी, ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट और गलत पार्किंग पर सबसे ज्यादा कार्रवाई : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं अनुशासित बनाने के उद्देश्य से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। इसके तहत यातायात पुलिस आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए डिजिटल माध्यम से नियम तोड़ने वालों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार इस साल एक जनवरी से 10 जुलाई के बीच वीओसी ऐप के माध्यम से 50 हजार 118 वाहनों के चालान किए गए हैं। यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी प्रणाली के तहत संचालित की जा रही है, जिससे नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है।

एसपी की वाहन चालकों से अपील

एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि सड़क पर की गई एक छोटी सी लापरवाही भी किसी बड़े और जानलेवा हादसे का कारण बन सकती है। पुलिस द्वारा बार-बार जागरूक किए जाने के बावजूद नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ हिसार पुलिस बिना किसी भेदभाव के सख्त कार्रवाई कर रही है और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। निर्धारित गति सीमा का पालन करें, नाबालिगों को किसी भी सूरत में वाहन न सौंपें तथा ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, बीमा और पीयूसी जैसे सभी आवश्यक दस्तावेज हमेशा अपडेट रखें। उन्होंने जोर देकर कहा कि यातायात नियमों का पालन करने वाला व्यक्ति न केवल स्वयं सुरक्षित रहता है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।

ऐप की नजर से बचना नामुमकिन

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वीओसी ऐप के जरिए मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों पर ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट वाहन चलाना, गलत स्थान पर वाहन पार्क करना और यातायात सिग्नलों की अवहेलना करने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा यदि वाहन का वैध बीमा (इंश्योरेंस) या प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र समाप्त हो चुका है, तो ऐप की आधुनिक प्रणाली के तहत संबंधित धाराओं में चालान स्वतः दर्ज हो जाता है।

घर में लगी आग से सामान जलकर राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर के डाबड़ा चौक के समीप एक घर में अचानक आग लग गई। सूचना पाकर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने के कारण का अभी तक पता नहीं चल सका है। नागोरी गेट गुरुद्वारा के पूर्व प्रधान सुखसागर सिंह ने बताया कि सुबह 10 बजे उनके मकान की पहली मंजिल पर बने फाइबर शेड के कोने में अचानक आग लग गई। आग देखकर उनका भतीजा चिल्लाया तो घर पर अन्य सदस्य पानी की बाल्टी लेकर आग बुझाने के लिए दौड़े लेकिन पानी डालते ही आग बुझने की बजाय और बढ़ गई। इस पर उन्होंने घर के सभी सदस्यों को तुरंत बाहर निकाला। इसी बीच डायल 112 की टीम और दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंची। गाड़ी ने आग पर काबू पाया। सुखसागर सिंह ने बताया कि इस घटना में घर और उनके ऑफिस में

लगे तीन एसी जल गए। इसके अलावा अलमारी और अन्य सामान भी जल गया। उन्होंने बताया कि शेड के नीचे उनके व्यापार से संबंधित वस्तुएं मौजूद थीं जो कि सभी जलकर खाक हो गई हैं। सुखसागर सिंह ने बताया कि सुबह घर में बिजली नहीं थी और न ही फाइबर शेड के आसपास कोई ऐसा बिजली कनेक्शन था जिसके आधार पर यह पुष्टि की जा सके कि उक्त स्थान पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है। उन्होंने कहा उस समय घर पर दो बच्चों सहित 11 लोग मौजूद थे जिन्हें आग लगने के तुरंत बाद बाहर निकाला गया।

आरोपियों की निशानदेही पर गंडासी और डंडा बरामद

हिसार। जानलेवा हमला करने के एक मामले में उकलाना पुलिस ने पहले गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने बरामद हथियारों को कब्जे में लेकर मामले की जांच तेज कर दी है। सहायक उप निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि इस संबंध में गत एक जुलाई को केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान सहायक उप निरीक्षक राजबीर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों लितानी निवासी मोनू की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त गंडासी व रघुबीर की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त डंडा बरामद किया गया।

मोक्ष वृद्धाश्रम में विद्यार्थियों ने पूरा किया इंटर्नशिप प्रोग्राम

हिसार। बुजुर्गों की निस्वार्थ भाव से संभाल व सेवा का पर्याय बन चुके मोक्ष वृद्धाश्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने 45 दिन का इंटर्नशिप प्रोग्राम पूरा किया। सामुदायिक सेवा के तहत विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उनके अनुभव सुने। इसके साथ ही उन्होंने बुजुर्गों के साथ गीत-संगीत में हिस्सा लिया और उन्हें हल्का व्यायाम व योग करवाया। विद्यार्थियों ने वृद्धजनों के साथ लूडो व शतरंज आदि खेलों में भी सहभागिता करके माहौल को खुशनुमा बना दिया। देहारादून से एकता, आदित्य गर्ग व माधव गर्ग, सोनीपत के मुरथल से अर्पित कुमार, एसआरएम इंस्टीट्यूट से भव्य मनचंदा, गुरुग्राम से अभी शर्मा, मानव रचना इंस्टीट्यूट से उज्जवल भाटिया व मोहाली से खुशबू ने इस सेवा कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

वर्तमान दौर में मेडिटेशन के महत्व पर आधारित आज का ध्यान सत्र

हिसार। भागदौड़ भरी जिंदगी में मेडिटेशन की सार्थकता को समझाने एवं ध्यान की विधियों से रूबरू करवाने के लिए सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में 12 जुलाई को ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलने वाले इस ध्यान सत्र में साधकों को ध्यान विधियों का अभ्यास भी करवाया जाएगा। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि इंसान अंधाधुंध दौड़े चला जा रहा है। वह धन, संपत्ति व संसाधन तो इकट्ठा कर रहा है लेकिन शांति, एकाग्रता व आनंद से दूर होता जा रहा है। इस कारण वह तनाव, अनिद्रा व बेचैनी का शिकार हो रहा है। इसलिए ध्यान सत्र में साधकों को वर्तमान दौर में मेडिटेशन का महत्व समझाया जाएगा।

महिला कांग्रेस 21 को करेगी संसद घेराव : संतोष जून

हिसार। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की ओर से महिला आरक्षण कानून को शीघ्र लागू करने और संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने की मांग को लेकर 21 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित होने वाले संसद घेराव कार्यक्रम में हिसार से भी बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भाग लेंगी। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष जून ने बताया कि यह आंदोलन अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देश तथा हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पर्ल चौधरी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू कराने और राजनीति में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देशभर की महिलाएं इस कार्यक्रम में एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगी।

मीनू मलिक ने संभाला प्रधान पद का दायित्व

हिसार। रोटरी सैंट्रल डायनमिक क्लब का 'दायित्व ग्रहण समारोह' आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व प्रधान रोटेरियन नीरजा खन्ना ने रोटेरियन मीनू मलिक को क्लब प्रधान का दायित्व सौंपा। रोटेरियन संगीता कत्याल ने सचिव का दायित्व रोटेरियन अंजू ठकराल तथा रोटेरियन कृष्णा खेड़ा ने कैशियर का दायित्व रोटेरियन मनीषा महता को सौंपा। यह 'दायित्व ग्रहण समारोह' रोटेरियन हरीश रहेजा क्लब एडवाइजर की अध्यक्षता में विधिवत रूप से करवाया गया। इस अवसर पर रोटेरियन नीरजा खन्ना पूर्व प्रधान ने सभी सदस्यों का आभार जताते हुए क्लब द्वारा उनके कार्यकाल में किये गये सामाजिक कार्यों का उल्लेख किया।

यूनिट टेस्ट परिणाम के उपलक्ष्य में पीटीएम का आयोजन

बरवाला। मॉडल टाऊन स्थित दयानंद पब्लिक स्कूल बरवाला के प्रांगण में हाल ही में सम्पन्न हुए यूनिट टेस्ट के उपलक्ष्य में एक विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। शिक्षकों ने बच्चों की यूनिट टेस्ट उत्तर पुस्तिकाओं को अभिभावकों को दिखाया और बच्चों की अध्ययन की आदतों, डिसिप्लेन व भविष्य में विद्यार्थियों की प्रगति बारे विस्तार से चर्चा की। स्कूल डायरेक्टर सत्यवान कुंडू ,प्रिंसिपल सीमा भनवाला, कॉर्डिनेटर नरेश भयान व प्रबंधक संदीप भनवाला ने सभी अभिभावकों को उन्हें सहयोग के लिए आभार जताया।

संत कबीर शिक्षा समिति की चुनाव प्रक्रिया शुरू, चुनाव के प्रति समाज में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

संत कबीर शिक्षा समिति धानक समाज हरियाणा की चुनाव प्रक्रिया के तहत शनिवार को नामांकन पत्र भरने का कार्य शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव को लेकर समाज के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। चुनाव प्रक्रिया के पहले दिन आज कुल 29 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। शेष नामांकन कलः समिति में कुल 55 कॉलेजियम हैं। शेष 26 कॉलेजियम के लिए नामांकन पत्र कल भरे जाएंगे। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए मुख्य रिटर्निंग अधिकारी के रूप में रिटायर्ड प्रिंसिपल रमेश आर्य कार्य कर रहे हैं। उनके साथ सहायक रिटर्निंग अधिकारी रघबीर जांगड़ा और राजबीर सिंह ग्रोवर भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि आज पहले दिन की प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण रही। समाज के सभी वर्गों में इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर बेहद सकारात्मक माहौल है। रविवार को शेष नामांकन पत्र भरे जाने के बाद आगे की चुनावी गतिविधियों की जानकारी साझा की जाएगी।

रोटरी हिसार का मेगा रक्तदान शिविर आज

हिसार। रोटरी हिसार द्वारा 12 जुलाई को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर शहर के सनसिटी बैंक्वेट हॉल में

रविवार सुबह 9 बजे से शुरू होगा। क्लब पदाधिकारियों ने शहरवासियों से इस पुनीत अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में योगदान देने की अपील की है। रोटरी हिसार के अध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप गुप्ता ने बताया कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है। एक यूनिट रक्त कई लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर रक्तदान करना चाहिए। क्लब के सचिव रोटेरियन दिनेश गुप्ता ने कहा कि शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जनकल्याण और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही सरकार: रणधीर

हिसार। कार्यकर्ताओं की बैठक में उपस्थित विधायक रणधीर पनिहार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने 17 जुलाई को जींद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम व रविवार को हिसार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की। बैठक में दोनों कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गईं और अधिक से अधिक संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे दोनों कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि सरकार की जनहितैषी नीतियों और विकास कार्यों का संदेश आमजन तक पहुंचे।

बैठक के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा पात्र मतदाताओं का सहयोग करने का आह्वान किया।

68 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

हांसी। विशेष अभियान के तहत थाना शहर हांसी पुलिस ने एक मकान में बैड के नीचे बनाई गई सुरंग से 68 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। मामले में पुलिस ने त्रिकोणा पार्क निवासी अशोक के खिलाफ हरियाणा आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना शहर हांसी के एएसआई मुनीश कुमार ने बताया कि चौकी किला बाजार पुलिस टीम गश्त एवं अपराधों की रोकथाम के दौरान सूचना मिली थी वार्ड नंबर-26, त्रिकोणा पार्क स्थित एक मकान में अवैध रूप अंग्रेजी शराब छुपा कर रखी हुई है, सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर नियमानुसार तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान कमरे में बैड के नीचे बनाई गई एक सुरंग से अंग्रेजी शराब की 68 सीलबंद बोतल बरामद हुई। पूरी बरामदगी की कार्रवाई ई-साक्ष्य ऐप पर वीडियो रिकॉर्ड की गई। नियमानुसार प्रत्येक ब्रांड की एक-एक बोतल नमूने के रूप में अलग निकालकर शेष शराब को सील कर कब्जे में ले लिया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

ब्राह्मण समाज चलाएगा देशव्यापी जनजागरण अभियान : जगजीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जगजीत शर्मा

राष्ट्रीय ब्रह्म स्वाभिमान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित जगजीत शर्मा ने ब्राह्मण समाज को संगठित, शिक्षित और जागरूक बनाने के लिए देशव्यापी जनजागरण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना, सामाजिक समन्वय को मजबूत करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में ब्राह्मण समाज की प्रभावी भागीदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके लिए वे देश के विभिन्न राज्यों और शहरों का दौरा कर समाज के लोगों से सीधे संवाद करेंगे तथा समाज के सामने मौजूद चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा करेंगे।

जगजीत शर्मा ने कहा कि आज आवश्यकता केवल सामाजिक एकता की नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार, आधुनिक तकनीक, प्रतियोगी परीक्षाओं, स्वरोजगार और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की भी है। उन्होंने कहा कि परिषद युवाओं को सामाजिक दायित्वों के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी।

जन सुनवाई नलवा क्षेत्र में नागरिकों से संवाद कर सुनीं समस्याएं

गांव तलवंडी रुक्का व कैमरी रोड स्थित आवास पर किया जनसंवाद

जन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध : गंगवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने नलवा हलका के गांव तलवंडी रुक्का तथा कैमरी रोड स्थित अपने आवास पर नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्यों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और जनता की सहभागिता से प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

हिसार। नागरिकों की समस्याएं सुनते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

इस अवसर पर रणबीर गंगवा ने नागरिकों से रविवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दौरा कार्यक्रम तथा आगामी 17 जुलाई को जींद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सहभागी बनने का आह्वान किया।